पर्वतराज हिमालय

हिमालय संसार का सबसे बड़ा पर्वत है | इसलिए इसे पर्वतराज कहते हैं | इसकी लम्बाई २५०० किलोमीटर है | इसमें कई पर्वत श्रेणियाँ हैं जो एक-दूसरे के पीछे पश्चिम से पूर्व की ओर फैला हुई हैं | हिमालय की चौड़ाई सब जगह समान नहीं है | चौड़ाई कहीं १५० किलोमीटर है, तो कहीं ४०० किलोमीटर ! पश्चिम में चौड़ाई अधिक है, पूर्व में कम |

हिमालय की दक्षिण की ओर फैली पर्वत श्रेणी "शिवालिक की पहाड़ियाँ" कहलाती हैं | ये पहाड़ियाँ बालू, मिट्ठी और कंकड़ों से बनी हैं | ये अधिक ऊंची नहीं हैं |

शिवालिक की पहाड़ियों के उत्तर में जो श्रेणियाँ हैं, उन्हें "लघु हिमालय" कहा जाता है | इन पर चीड़ और देवदार के पेड़ बहुत पाये जाते हैं | लघु हिमालय के निचले भागों डलहौजी, शिमला, अल्मोड़ा, मसूरी नैनीताल और दार्जिलिंग जैसे सुन्दर पहाड़ी नगर बसे हुए हैं, जहाँ देश-विदेश के लोग सैर करने जाते हैं |

लघु हिमालय के उत्तर में महा हिमालय पर्वत श्रेणी है | अपनी ऊँचाई के कारण यह संसार में प्रसिद्ध है | संसार में सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट इसी में है | कंचनजंगा चोटी भी इसी में है | नंदादेवी और नंगा-पर्वत की चोटियाँ भी प्रसिद्ध हैं | महा हिमालय सदा बर्फ से ढका रहता है | बर्फ धीरे-धीरे खिसककर घाटियों में आगे बढ़ती है | इन्हें हिम-नद कहा जाता है |

कहीं-कहीं हिमालय में सुन्दर घाटियाँ हैं | कश्मीर की घाटी उनमें सबसे सुन्दर है |

पश्चिम में हिमालय की दो शाखाएँ हैं--हिन्दू-कुश अफगानिस्तान में और सुलेमान पाकिस्तान में है | हिमालय के उत्तर-पश्चिम में लदाख का पठारी प्रदेश भारत का ही भाग है |

गंगा, यमुना, सतलुज, ब्रह्मपुत्र, आदि अनेक नदियाँ हिमालय से ही निकलती हैं | हिमालय कि झीलें, झरने, वन, बाग, सीढ़ीनुमाखेत, आकाश को छूने वाले पेड़ और हिम से ढकी चोटियाँ देखकर मन मुग्ध हो जाता है |

1- Metindeki cümlelerin yapısı incelenerek, çevirisi yapılacaktır.